BSES

मॉनसून एक्शन प्लानः

बारिश में भी बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए बीएसईएस तैयार

- **कुछ जरूरी टिप्स पर अमल करके बारिश में उपभोक्ता अपने और अपने परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं**

नई दिल्लीः 20 जून, 2017। मॉनसून, लोगों को गर्मी और हीट वेव से राहत तो दिलाता है, लेकिन साथ ही, यह अपने साथ कई तरह की समस्याएं भी लाता है। नमी, सीपेज व जलभराव के कारण एक ओर जहां बिजली की आपूर्ति पर असर पड़ता है, वहीं इस मौसम में करंट का खतरा भी बढ़ जाता है। मॉनसून संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, बारिश के दिनों में अपने लगभग 40 लाख उपभोक्ताओं को बेहतर व सुरक्षित बिजली आपूर्ति के लिए बीएसईएस ने मॉनसून एक्शन प्लान पर पूरी तरह अमल कर लिया है।

मॉनसून एक्शन प्लान के तहत, निचले इलाकों में लगे ट्रांसफॉर्मरों के फाउंडेशन को ऊंचा करके उन्हें सुरक्षित स्तर पर लया गया है। स्विचगियर्स के ऊपर छतें लगाई गई हैं, ताकि जलभराव के कारण स्विचगियर्स में नमी और सीपेज न आने पाए। जहां भी संभव हो पेड़ों की शाखाओं की छंटाई का काम किया गया है, ताकि बिजली की तारें उनमें न उलझें। मॉनसून में लोगों की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए ट्रांसफॉर्मरों के इर्द–गिर्द जालियां लगाई गई हैं। इसके अलावा, ट्रेंचों की सफाई का काम भी किया गया है।

मॉनसून में जगह–जगह पानी जमा होने से बिजली संबंधी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि बारिश के दिनों में वे बिजली के पोल, सब–स्टेशनों, ट्रांसफॉर्मरों और स्ट्रीटलाइटों से दूर रहें। साथ ही, अपने बच्चों को भी बताएं कि इन उपकरणों के इर्द–गिर्द न खेलें, चाहे उपकरणों के चारों ओर जालियां ही क्यों न लगी हों।

बिजली के झटकों व करंट से संबंधित शिकायतों के लिए बीएसईएस के नियमित कॉल सेंटर बीआरपीएल– 011 39999707 / बीवाईपीएल– 011 39999808 के अलावा, विशेष हेल्पलाइन नंबर भी हैं। बीवाईपीएल का विशेष नंबर है– 011 41999808 और बीआरपीएल का विशेष नंबर है– 1800 10 39707 । बीएसईएस ने आरडब्ल्यूए और आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि उन्हें कहीं करंट की आशंका महसूस हो, तो तुरंत उपरोक्त नंबरों पर फोन करें।

बीएसईएस ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि न सिर्फ बाहर, बल्कि घर में भी मॉनसून के दौरान करंट से सावधान रहें। स्विच गीला हो, तो उसे न छुएं। घर में एक टेस्टर रखें और स्विच को छूने से पहले टेस्टर से चेक करें कि कहीं लीकेज तो नहीं हो। शक होने पर अपने इलेक्ट्रिशियन को कॉल करें। याद रखें, बारिश के दिनों में स्विचों में करंट आने का खतरा बना रहता है। किसी लाइसेंसधारी इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टर से उपभोक्ता अपने घर की आंतरिक वायरिंग भी चेक करवा लें।

वैसे, बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अपने ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर जालियां लगा दी हैं, लेकिन, कई बार नशेड़ी और असामाजिक तत्व ट्रांसफॉर्मरों की जालियां उखाड़ लेते हैं या उन्हें क्षतिग्रस्त कर देते हैं। बीएसईएस ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि यदि कहीं किसी ट्रांसफॉर्मर की जाली टूटी दिखे या कोई पोल व तार गिरी हुई या क्षतिग्रस्त नजर आए, या बिजली उपकरणों पर पेड़ों की टहनियां गिरी दिखें, तो तुरंत कॉल सेंटर नंबरों पर को बीएसईएस को सूचित करें।

बारिश के सीजन में बिजली चोरी की वजह से भी करंट फैलने का खतरा रहता है। यह न सिर्फ बिजली की चोरी करने वालों के लिए, बल्कि उनके पड़ोसियों के जीवन के लिए भी खतरनाक है। गौरतलब है कि तारों पर लगाए गए कटिये न तो इंसुलेट किए गए होते हैं और न ही ठीक से उसे फिक्स गया गया होता है। ऐसे में, तेज हवा व बारिश में ये कटिये गिर जाते हैं और लोग उसकी चपेट में आ सकते हैं। यह जानलेवा हो सकता है। बीएसईएस की अपील है कि लोग गैरकानूनी व अनाधिकृत तरीके से बिजली का इस्तेमाल न करें। उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि यदि उन्हें कहीं बिजली की चोरी होती दिखे, तो वे तुरंत बीआरपीएल / बीवाइपीएल के हेल्पलाइन नंबर पर या पुलिस को इसकी सूचना दें, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

इसके अलावा, उपभोक्ताओं को अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर यानी ईएलसीबी लगवाने की भी सलाह दी गई है। ईएलसीबी एक छोटा, लेकिन महत्वपूर्ण उपकरण है, जो आपके घर में बिजली के छोटे से छोटे लीकेज को भी पहनान लेगा। बिजली के लीकेज का पता लगते ही ईएलसीबी ट्रिप हो जाएगी और आपके घर की बिजली को डिसकनेक्ट कर देगी। इस तरह, ईएलसीबी बिजली संबंधी बड़े हादसों को टाल सकता है।

उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि सीईआरसी के निर्देशों के मुताबिक, बिजली के उपकरणों से अपने घर, बालकनी और छज्जों की उपयुक्त दूरी बनाए रखें। ऐसा न करने से जान–माल का नुकसान हो सकता है।

प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।